एकल भारत लोक शिक्षा परिषद्

(एकल अभियान ट्रस्ट से संबंधित)

एकल संदेश

महिला समिति

एकल विद्यालय संरचना विशेषांक

अक्टूबर – दिसंबर 2021

त्रैमासिक

षष्ठम संस्करण

हमारा ध्येय -

हम भारत मां की संतान है।
आज मां की आंखों में आंसु हैं।
हम मां के आंसू पोछेंगे ।
हम धरती की ताकत जगाएंगे।
हम देश को सुखी बनाएंगे।

हमारा संकल्प -

हम अपने गांव को आदर्श गांव बनाएंगे।
हम अपनी पंचायत को अपने सपनों का भारत बनाएंगे।
हम गांव में दैनिक सत्संग चलाएंगे।
हम देश के देश हमारा यह भाव जगाएंगे।

हमारा स्वप्न -

हम स्वामी विवेकानंद के सपनों का भारत बनाएंगे।
हम महात्मा गांधी के चिंतन का ग्राम स्वराज लाएंगे।
हम डॉ हेडगेवार की कल्पना का सम्मान दिलाएंगे।
हम राम जी की सेना बनकर देश में राम राज्य लाएंगे।

हमारे स्तंभ

"हम परिश्रम करेंगे लेकिन सफलता प्रभु राम जी के चरणों में अर्पित करेंगे, हमें कभी अहंकार नहीं आएगा और हम सदैव सफल कार्यकर्ता के रूप में स्थापित होंगे। यही कार्यकर्ता की विशेषता है।"

मा. श्याम जी गुप्त,

मार्गदर्शक एवं प्रणेता एकल अभियान

"जब एकल शुरू हुआ तब हम बोलते थे कि एकल अभियान का एक उद्देश्य महिला सशक्तिकरण है परंतु वर्तमान समय में अब हम यह कह सकते हैं कि महिलाओं द्वारा एकल का सशक्तिकरण हो रहा है | यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।"

प्रो. मंजू श्रीवास्तव

संगठन प्रभारी, एकल अभियान

"मैं एकल में मातृभूमि की सेवा करने के लिए एकल से जुड़ा हूँ मेरे जीवन का जो भी समय शेष है वह एकल को समर्पित है।"

श्री रमेश भाई शाह

CEO, एकल अभियान

"कठिन समय में ही सभी की परीक्षा होती है। हमने जो संगठन बनाए हैं, उनके माध्यम से कठिन समय को पार करके हम ज्यादा सशक्त बनेंगे।"

श्री राजेश गोयल

प्रधान, CEC, एकल अभियान

"हमें कार्यकर्ता की तरह ही कार्य करना चाहिए इससे जो संतुष्टि हमें मिलेगी वह और कहीं नही मिल सकती, एकल का लक्ष्य भी तभी पूरा होगा।"

श्री लक्ष्मी नारायण गोयल

चेयरमैन, ट्रस्ट बोर्ड ,EBLSP

"किसी भी कार्य को तीन अवस्थाओं से गुजरना होता है उपहास, विरोध और स्वीकृति हम सभी को केवल स्वीकृति के लिए कार्य करना है। तभी हम एकल उद्देश्य को प्राप्त कर सकते हैं।"

श्री नीरज रायजादा

राष्ट्रीय प्रधान,EBLSP

"यदि अच्छे कार्य के प्रति श्रद्धा है तो दान की इच्छा के लिए, सक्षम और समृद्ध होना चाहिए साथ में संकल्पित मन चाहिए- पर जब राम जी की कृपा होगी तभी दान कर पाएंगे।"

श्रीमती दर्शना गोयल

अध्यक्षा, राष्ट्रीय महिला समिति, EBLSP

"प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी एकल के कार्यकर्ताओं के सम्मान हेतु संक्रांति उपहार योजना के अंतर्गत धन संग्रह का कार्य किया गया है। महिला समिति की ओर से सभी का धन्यवाद्।"

श्रीमती सोनल रासीवासिया

प्रधान, राष्ट्रीय महिला समिति, EBLSP

एकल संरचना

गांव (Village)– 1, विद्यालय-1, आचार्य-1

25-30 विद्यार्थी, प्रतिदिन 2-3 घंटे

पंचमुखी शिक्षा :- शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, जागरण और स्वावलंबन

↓

संच- (Cluster) तहसील या ब्लॉक

30 गांव

30 विद्यालयों का संचालन

↓

अंचल- (District), जिला

9-16 संच

360 -480 गांव

↓

भाग- (Divison) कई जिले

3-5 अंचल

1800- 2400 गांव

↓

संभाग- (State) राज्य

(बड़े राज्य में दो, छोटे में एक)

3-4 भाग, 5400- 7200 गांव

↓

प्रभाग - (Zone) कई राज्य

8 प्रभाग

प्रत्येक प्रभाग में 20-30 हजार गांव।

↓

एकल अभियान (केंद्र)

(National)

शिक्षा पद्धति एवं सामग्री (एक विद्यालय)

बच्चों की आयु वर्ग 6 -14 वर्ष (25-30 बच्चे)

प्राथमिक शिक्षा

विषय

- भाषा
- अंकगणित
- जनरल नॉलेज
- बेसिक साइंस
- नैतिक शिक्षा
- स्वास्थ्य जागरूकता
- क्राफ्ट एक्टिविटी।

विद्यालयों की भेजे जाने वाली सामग्री

आचार्य निर्देशिका

- प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम
- आचार्य मार्गदर्शिका
- खेलें कूदें नाचे गाए
- नैतिक विज्ञान

शिक्षण सामग्री (विद्यालय योजना)

- ब्लैक बोर्ड
- नेम प्लेट
- सरस्वती और भारत माता फोटो
- वर्णमाला चार्ट

आचार्य को सामग्री

- उपस्थिति रजिस्टर
- टीचर गाइड बुक
- टीचर डायरी
- मोरल स्टोरी

विद्यालय :- समय सारणी (3 घंटे का विवरण)

क्रमांक	विषय	समय
1	प्रार्थना	15 मिनट
2	भाषा	30 मिनट
3	अंकगणित	30 मिनट
4	जनरल नॉलेज	30 मिनट
5	सॉन्ग स्टोरी	10 मिनट
6	ड्रामा एंड क्राफ्ट	30 मिनट
7	इनडोर गेम, योगासन	30 मिनट
8	राष्ट्रगान	05 मिनट

एकल विद्यालय

एकल अभियान और उसके संगठित आयाम

स्थापना - 1988 , प्रथम विद्यालय – गुमला (झारखंड)

60 विद्यालयों से शुरू

उद्देश्य – "यदि बच्चे विद्यालय नही जा सकते तो विद्यालय को बच्चों तक पहुँचाना होगा।"

एकल भारत लोक शिक्षा परिषद (EBLSP), स्थापना-3 मार्च 2000

कार्यक्षेत्र- जम्मू, हिमाचल, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश।

चैप्टर – 15

वनबन्धु परिषद् (FTS), स्थापना- 1989

कार्यक्षेत्र – पूर्वी, मध्य, पश्चिम एवं दक्षिण भारत।

चैप्टर- 36

एकल विद्यालय फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया (EVFI), स्थापना – 2000

कार्यक्षेत्र – बृजमंडल, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, जम्मू

चैप्टर – 2

आरोग्य फाउंडेशन ऑफ इंडिया (AFI), स्थापना – 2004

स्वास्थ्य शिक्षा

उद्देश्य – स्वस्थ भारत हेतु कार्य एवं गाँव तक जानकारी देना।

श्रीहरि सत्संग समिति (SHSS), स्थापना- 1996

संस्कार शिक्षा, व्यास पीठ

उद्देश्य - सांस्कृतिक विरासत, सामाजजिक, पारंपरिक, और नैतिक मूल्य।

एकल ग्राम संगठन (EGS), स्थापना – 2015

स्वावलंबन शिक्षा

उद्देश्य - गांव को आत्मनिर्भर बनाना।

एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन (EGF), स्थापना – 2014

कार्यक्षेत्र - सम्पूर्ण भारत

उद्देश्य - सिलाई, पोषण वाटिका, सोक्ता पिट आदि।

एकल संस्थान, स्थापना – 2008

शोध का कार्य

कार्यक्षेत्र – सम्पूर्ण भारत।

एकल ग्लोबल फाउंडेशन

उद्देश्य – एकल की विचारधारा को विश्व भर में फैलाना।

कार्यकर्त्ता के प्रकार

समिति स्वयंसेवक
(प्रभाग, संभाग, भाग, अंचल, संच)
सभी स्तरों पर समितियां
- अध्यक्ष
- प्रधान
- महामंत्री (सचिव)
- कोषाध्यक्ष
- संगठन मंत्री
- अन्य सदस्य

कार्यकर्त्ता (प्रमुख) सेवाव्रती –
प्रकार –
- अभियान प्रमुख
- कार्यालय प्रमुख
- गतिविधि प्रमुख
- प्रशिक्षण प्रमुख
- संस्कार प्रमुख
- संवाद प्रमुख
- स्वराज प्रमुख
- महिला प्रमुख

कार्यकर्ता - श्रेणी विभाजन
- नवीन- 1 वर्ष से कम (संख्या-3824)
- प्रारंभिक- एक से 5 वर्ष (संख्या-3466)
- जीवनव्रती- 6 से 12 वर्ष (संख्या-1227)
- देहव्रती - 12 वर्ष से अधिक (संख्या-780)

एकल वार्षिक समय सारणी

- **अप्रैल -** विद्यार्थी नामांकन, फोटोग्राफ्स, 24 अप्रैल पंचायती राज दिवस, शिक्षण सामग्री वितरण, श्रीराम महोत्सव। योजना वर्ग, कार्यालय और गतिविधि विभाग कार्यशाला।
- **मई –** STL/TCL (Student Letter/ Teacher Letter) प्रशिक्षण टोली द्वारा प्रभाग स्तर पर नैपुण्य योजना और कार्यालय कार्यशाला
- **जून-** 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस, 21 जून विश्व योगा दिवस, नदी पूजन, गंगा दशहरा।
- **जुलाई-** दक्षता वर्ग, पौधारोपण, आचार्य सेवाव्रती परीक्षा (भाषा, गणित, सामान्य ज्ञान)
- **अगस्त-** जन्माष्टमी, रक्षाबंधन, फील्ड द्वारा बीडीपी प्रपोजल बनाया जाता है।
- **सितंबर** -शिक्षण सामग्री सर्वे डीपीएस के लिए, बीडीपी फाइनल रिलीज, पीआरपी फाइनल, अर्धवार्षिक परीक्षा, उपसंच क्रीडा प्रतियोगिता।
- **अक्टूबर-** एसपीआर-1, संच सम्मेलन, संच प्रतियोगिता, ग्राम स्वराज संकल्प दिवस (2 अक्टूबर)
- **नवंबर -** चैप्टर को टीएम डिमांड लिस्ट भेजना, 14 नवंबर बाल दिवस, छात्र सम्मेलन।
- **दिसंबर-** पीआरपी चार्ट का ड्राफ्ट तैयार करने का प्रक्रिया शुरू।
- **जनवरी-** ग्राम सर्वेक्षण, 12 जनवरी युवा दिवस और दीवार लेखन।
- **फरवरी-** वार्षिक उत्सव, सरस्वती पूजा, फील्ड द्वारा बीडीपी प्रपोजल तैयार करना।
- **मार्च-** पीआरपी रिलीज, बीडीपी फाइनल, वीडीओ फाइनेंस, एसएससी, वार्षिक परीक्षा(संच परिवर्तन) अंचल वार्षिक कार्यक्रम (चयनित आचार्य और सेवाव्रती का सम्मानित)

नोट- अंचल स्तर पर विचार संगोष्ठी वनयात्रा कार्यक्रम प्रत्येक माह आयोजित किया जाता है।

आत्मनिर्भर भारत के लिए गांवों में उतरती योजनायें

प्रगत संच – स्वावलंबन- पंचमुखी योजनायें

प्राथमिक शिक्षा योजना :-

1. सभी विद्यालय 'अ' अथवा 'ब' के होने चाहिए ।
2. प्रत्येक बालक/बालिका को न्यूनतम एक देशभक्ति गीत कंठस्थ करवाना।
3. प्रत्येक बालक/बालिका को पहाड़ा कंठस्थ करवाना। (उसके स्तर के अनुरूप)

विशेष: विद्यालय एवं बच्चों की नियमितता। **परिणाम:** पूर्णतया साक्षर ग्राम बनाना।

ग्रामोत्थान योजना : -

1. प्रत्येक गांव के न्यूनतम 10 घरों में जैविक पोषण वाटिका।
2. प्रत्येक गांव के न्यूनतम 10 परिवारों में जैविक खेती।
3. प्रत्येक भाग के एक प्रगति संच के घर-घर में कुटीर उद्योग।

परिणाम:

1. कुपोषण की समस्या का समाधान। 2. पलायन पर रोक।

ग्राम स्वराज योजना :-

1. प्रत्येक ग्रामवासी का जनधन योजना में बैंक खाता खुलवाना।
2. प्रत्येक परिवार के प्रमुख को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में बीमित करवाना।
3. प्रत्येक ग्रामवासी का आधार कार्ड बनवाना।

परिणाम: - प्रत्येक ग्रामवासी को जागरूक मतदाता बनाना।

आरोग्य योजना :-

1. सभी घरों में तुलसी पौधा रोपण
2. आवश्यकता अनुसार प्रत्येक घर में सोख्ता गड्ढा बनवाना।
3. प्रत्येक घर में लोहे की कढ़ाई का उपयोग करवाना।

परिणाम: एनीमिया की समस्या का समाधान एवं सामान्य रोगों से बचाव।

श्री हरि कथा प्रसार योजना:-

1. प्रत्येक ग्राम में साप्ताहिक सत्संग का आयोजन।
2. प्रत्येक ग्राम में वर्ष में एक बार कथा का आयोजन।
3. प्रत्येक ग्राम में रथ आयोजन।

परिणाम: व्यसन मुक्ति, स्वधर्म के प्रति आत्मीयता निर्माण।

पंचमुखी योजनाओं को गति देने वाले कार्य

- **कार्यकर्त्ता विभाग** –कार्यकर्ताओं एवं उनके परिवारों के हित में कार्यरत।
- **महिला सशक्तिकरण-** लगभग 70 प्रतिशत आचार्या बहनें ।
- **युवा सशक्तिकरण-** देश के युवाओं को सही दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देना ताकि भी देश और समाज के लिए कार्य कर सकें।
- **ग्रामोत्थान सेंटर (GRC)-**

1. जैविक खेती व पोषण वाटिका – हल्दी, तेल, घी, फल, सब्जी और खाद आदि।
2. सिलाई केंद्र
3. बिजली, लकड़ी, लुहार का कार्य सिखाना
4. औजारों का निर्माण
5. बांस, मिट्टी के बर्तन, गुडिया, दिये, राखी, बैग आदि बनाना।

- **योग शक्ति केंद्र-** प्रत्येक गांव में योग सिखाया जाता है।
- **एकल रथ (प्रभु दरबार) -** 54 रथ संचालित।
- **एकल कंप्यूटर बस–** 41 संचालित
- **गौ रक्षा -** अनुपयोगी गायों को सुरक्षा प्रदान करना।
- **सैनिक सम्मान –** सीमा पर तैनात भाई एवं शहीद के परिवार और सेवानिवृत्त जवानों को सम्मानित करना।
- **व्यास कथाकार -** गांव में जागृति एवं संस्कार शिक्षा हेतु कार्यरत
- **शबरी परिवार संपर्क -** आर्थिक रूप से कम संपन्न परिवारों को आपस में जोड़ना व उन्हें गले लगाना।
- **परिवार मिलन –** समिति और कार्यकर्त्ता के परिवारों से संपर्क।
- **उत्सव –** प्रति माह के त्योहारों का आयोजन।
- **संस्कार शिक्षा-** अपने नैतिक संस्कारों से जोड़ना ।
- **दानदाता से संपर्क-** धन संग्रह हेतु।

अपनी मंजू दीदी का मार्गदर्शन -- राष्ट्रीय महिला समिति की बैठक -- एकल भवन

एकल भारत लोक शिक्षा परिषद्, राष्ट्रीय महिला समिति द्वारा 3 दिसंबर 2021 को एकल भवन, पीतमपुरा, दिल्ली में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें महिला समिति की प्रेरणा स्रोत प्रो. मंजू श्रीवास्तव (मंजू दीदी) का आशीर्वचन महिला समिति को प्राप्त हुआ। बैठक में लगभग 34 बहने उपस्थित रहीं। इस बैठक का उद्देश्य महिला समिति को प्रेरित कर उनका मार्गदर्शन करना और लोगों को जोड़कर संगठन के कार्य को मजबूत करना एवं अपनी भागीदारी को एकल में बढ़ाना था।

उत्तरी दिल्ली चैप्टर --- 'गीतों भरी शाम एकल के नाम'

उत्तरी दिल्ली चैप्टर द्वारा **"एकल अभियान को समर्पित "गीतों भरी शाम एकल के नाम" का आयोजन 19 दिसम्बर-2021 को किया गया। विश्व प्रसिद्ध पार्श्व गायिका पूर्णिमा श्रेष्ठ जी ने** भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसमें लगभग 300 लोग शामिल हुए। इस कार्यक्रम के माध्यम से 650 एकल विद्यालयों की सहयोग राशि की सहमति भी प्राप्त हुई।

संपादक की कलम से.....

माधुरी अग्रवाल
उपप्रधान
राष्ट्रीय महिला समिति

एकल अभियान की बुनियाद हैं हमारे जीवनव्रती, ध्येयव्रती कार्यकर्ता, जिनके कंधों पर एकल अभियान के उद्देश्यों को जमीनी स्तर तक ले जाने का भार है। मेरे मन में उनके बारे में जानने की उत्सुकता थी और मैंने जम्मू, श्रीनगर, धनबाद, मेवात, शामली, हिमाचल, वाराणसी, लखनऊ, नूह, सहित कई अन्य स्थानों का प्रवास किया। जहां पर भाग, संभाग, अंचल, संच स्तर के समिति के सदस्यों के साथ बैठक की, उनकी कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिला, परिवारों के साथ बातचीत की, उनके बारे में जाना। एकल अभियान एक परिवार है इसका सुखद अनुभव हमें तब प्राप्त हुआ जब हम कार्यकर्ता के परिवार से मिले।

एकल अभियान से जुड़ने के लिए हमारी वेबसाइट www.blspindia.org पर सम्पर्क करें
एकल विद्यालय में सीधे दान हेतु सम्पर्क करें-
Bharat Lok Shiksha Parishad
A/C No: 467902050000186, Union Bank of India, IFSC Code : UBIN 0546798

एक विद्यालय का एक वर्ष तक संचालन
मात्र- 22,000/- रुपये

प्रकाशक – एकल भारत लोक शिक्षा परिषद्
मुख्य संपादक – माधुरी अग्रवाल (उपप्रधान राष्ट्रीय महिला समिति, EBLSP)
NS- 15, FD Block Pitampura, Delhi - 110034 (Near Pitampura Metro Station, Adjoining Shri Jagdish Mandir)
Web.- www.blspindia.org, Mail.- media@blspindia.org, Mob.- 9999399063